Nest Easy Chair XL with table



+Halle®

Nest Easy Chair XL with table

The Nest series takes its lead from the user, not the other way around. Today it is natural to change seats throughout the course of a day. Dwell-time and places for concentration, have become part of the public realm, as means of wellness and motivation. When the Easy Nest was launched in 2015, it took less than two years until there was a request for a larger, even more embracing, version of the soft armchair. Standing tall for happier, more comfortable, envi-ronments the Easy Nest XL provides for a quiet necessity.

With the additional table added, the functionality and versatility is taken a step further.

Design: Form Us With Love

Form Us With Love was founded in 2005 and since its conception, the studio has burned with a passion for design and its democratic potential. Its belief is that we all have a right to meaningful design.

At the studio's core lies a process that blends traditional creative practices with a lean, strategic application. The central intention is to evolve with the needs of each project, its place in the market and the ever-changing needs of real people.





Specifications

| Models | Width | Depth | Height | Seating height | | | | |
|-------------------------------|-------|--------|--------|----------------|--|--|--|--|
| Easy Nest XL Chair with table | 93 cm | 110 cm | 149 cm | 43 cm | | | | |

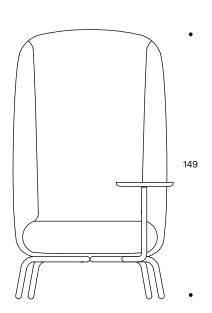
Designed by Form Us With Love

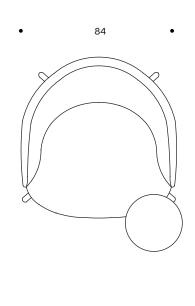
MaterialTable top:Solid OakSeat:Foam

Base: Foam Base: Steel Feet: POM

Tests & certificates L2: Extreme Use FSC®-163859L2: Extreme Use FSC®-163859

Dimensions







| N | ot | es | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|----|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | ٠ | | | | | | | | | ٠ | | | | | | | | | | | ٠ | ٠ | | ٠ | | | | |
| • | | ٠ | | | • | | ٠ | ٠ | | • | ٠ | | | | • | ٠ | | | • | | | | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | ٠ |
| • | ٠ | ٠ | ٠ | • | • | ٠ | | • | ٠ | • | • | • | • | • | • | ٠ | • | | ٠ | • | • | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | ٠ | ٠ | |
| • | • | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | | ٠ |
| • | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ |
| • | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ |
| • | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ |
| • | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ |
| • | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | ٠ | • | ٠ |
| • | ٠ | ٠ | ٠ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ٠ | |
| | ٠ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ٠ | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ٠ | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ٠ | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ٠ | |
| | | | | ٠ | • | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ٠ | |
| | ٠ | | | • | • | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ٠ | |
| | ٠ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ٠ | |
| | | | | • | ٠ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | • | • | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | • | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

Clarity of purpose

We believe that furniture should have clarity of purpose. This belief informs all of our work as we continue to explore and foster behavioural-led public spaces.